भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 1267
गुरूवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटकों की आवाजाही की निगरानी और आकलन

1267 श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय हरित और ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कोई कदम उठा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विभिन्न पर्यटन स्थलों की पर्यटन क्षमता का कोई आकलन किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो क्या मंत्रालय की ऐसी कोई प्रणाली लागू करने की योजना है; और

(ग) क्या कानून और व्यवस्था तथा अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आवाजाही के वास्तविक समय का आकलन करने के लिए कोई निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। वर्तमान में जारी कार्यकलापों के भाग के रूप में ईको पर्यटन और स्थायी पर्यटन का संवर्धन भी किया जाता है। देश में ईको पर्यटन और स्थायी पर्यटन के विकास को गति देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने ईको पर्यटन और स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियाँ तैयार कीं तथा देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों एवं पर्यटन व्यवसायियों को स्थायी पर्यटन कार्यपद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम की शुरुआत की है।

पर्यटन मुख्यत: राज्य सरकार से संबंधित विषय है। तथापि पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए अपनी योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ

राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने ईको परिपथ को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है।

*****